जॉन लॉक

(1) प्राकृतिक अधिकार
(2) स्वतंत्रता — विचारों की अभिव्यक्ति
(3) सम्पत्ति का अधिकार

⇓

"समझौते की रचना"

⇓

प्राकृतिक अवस्था में (शान्ति, सहयोग की अवस्था)

⇓

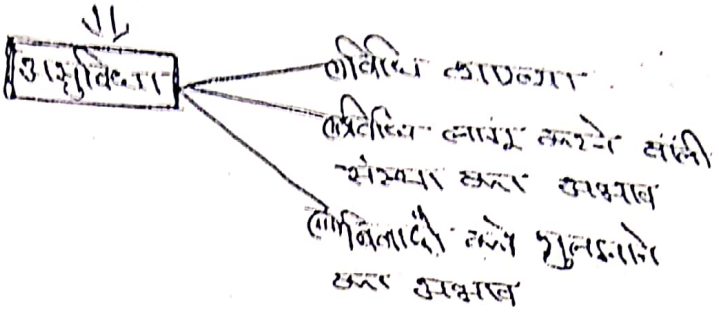

राज्य/सरकार का अभाव

⇓

असुविधा
- निश्चित कानून
- निश्चित लागू करने वाली संस्था का अभाव
- विवादों को सुलझाने का अभाव

⇒ हॉब्स ने कहा एक समझौते द्वारा राज्य/समाज/सरकार का निर्माण होता है, अपनी शक्तियाँ राज्य को सौंपी, यदि समझौता टूटता है तो पुनः प्राकृतिक अवस्था आ जायेगी।

⇒ लॉक ने समझौते से शक्तियाँ समाज/Community को दिया। Community ने सरकार का निर्माण कर दिया। (बहुमत की सहमति)

हॉब्स के अनुसार – राज्य होने की दशा में ही अधिकार मिलते हैं जबकि, लॉक ने अधिकारों से राज्य को नियंत्रित बताया

Scanned with CamScanner

लॉक के (समझौते) का सिद्धान्त - लॉक के विचार विगत चार सौ वर्षों से अत्यधिक लोकप्रिय एवं प्रभावी हैं। लॉक के विचारों में हॉब्स की भाँति तो प्रभावी नहीं परन्तु इनके विचारों का दूरगामी परिणाम हुआ जो उसने सामान्य समझ के आधार पर विकसित किया। लॉक ने हॉब्स की सहमत की संकल्पना को बहुमत की सहमत की संकल्पना में परिवर्तित कर दिया। लॉक का प्रसिद्ध कथन है कि सभी व्यक्ति प्राकृतिक रूप से स्वतंत्र, समान, मुक्त हैं ∴ बिना सहमति के किसी को दूसरे के राजनैतिक शक्ति के अधीन नहीं रखा जा सकता। लॉक के अनुसार सहमति का आशय पूर्व पीढ़ियों द्वारा की गई सहमति नहीं बल्कि प्रत्येक पीढ़ी को सहमति करने का अधिकार है। इसी सहमति सिद्धान्त के आधार पर लॉक के सामा० समझौते के सिद्धान्त का निर्माण हुआ। इस समझौते द्वारा लॉक ने एक उदारवादी और मुक्त ~~समाजों~~ समाज का निर्माण किया जिसमें व्यक्ति के अधिकार प्राकृतिक हो गए। उसके अनुसार एक आदर्श राज्य पर निम्न प्रतिबंध होने चाहिए -

1. राज्य का लोगों पर शासन निरंकुश और असीमित नहीं होना चाहिए।
2. विधायिका या अन्य ~~स्वेच्छाचा~~ सर्वोच्च सत्ता स्वेच्छाचारी आज्ञाओं द्वारा शासन नहीं कर सकती
3. किसी की सम्पत्ति का कोई भाग बिना उसकी सहमति के नहीं लिया जा सकता।
4. विधायिका विधि निर्माण शक्ति को किसी अन्य सत्ता को प्रदत्त नहीं कर सकती क्योंकि ये लोगों द्वारा प्रदान की गई सत्ता है।

हॉब्स बनाम लॉक -

हॉब्स एवं लॉक के दोनों की संरचना समान परन्तु विचारों में महत्वपूर्ण अन्तर हैं जो निम्न है -

① हॉब्स की प्राकृतिक अवस्था निरन्तर संघर्ष की अवस्था थी जबकि लॉक की प्राकृतिक अवस्था शान्तिपूर्ण थी।

② हॉब्स की प्राकृतिक अवस्था में व्यक्ति का जीवन खतरे में था जबकि लॉक की प्राकृतिक अवस्था में कुछ असुविधाएँ थीं।

③ हॉब्स के समझौते में व्यक्तियों ने एक समझौते द्वारा अपनी सम्पूर्ण शक्तियाँ राजा को सौंप दी जबकि लॉक के समझौते में स्पष्ट नहीं है कि समझौता एक हुआ था या दो, लेकिन व्यक्तियों ने केवल दण्ड देने का अधिकार राज्य को सौंपा, शेष अपने पास रखे। व्यक्तियों ने अपनी सम्पूर्ण शक्तियाँ समुदाय को सौंपी किसी एक व्यक्ति को नहीं।

④ हॉब्स के अनुसार सामाजिक समझौता भंग होने पर व्यक्ति प्राकृतिक स्थिति में आ जायेंगे परन्तु लॉक के अनुसार सामाजिक समझौता भंग होने पर सरकार का विघटन होगा, नागरिक या सिविल समाज का नहीं।

⑤ हॉब्स के समझौते के बाद एक पूर्ण निरंकुश शक्तिशाली राजा हुआ जो सम्पूर्ण सम्प्रभु शक्तियों का स्वामी है जबकि लॉक के समझौते में व्यक्ति के अधिकार प्राथमिक हो जाता है

तथा राज्य सीमित हो जाता है।

⑥ हाब्स के विचार में व्यक्तिवाद और पूर्णसत्तावाद दोनों विचार मिले-जुले हैं, लॉक ने स्पष्टतः उदारवाद और व्यक्तिवाद का प्रतिपादन किया तथा राजा की शक्तियों को सीमित कर दिया। नाहा का कथन बिल्कुल सत्य है कि Two Treatises In civil Government में एक ओर सर रॉबर्ट फिल्मर के दैवीय सिद्धान्त को खण्डित किया, दूसरी ओर लोकप्रिय क्रान्ति को सिद्धान्त में सिद्धान्त कर दिया।

लॉक के अनुसार समझौते का मूल उद्देश्य प्राकृतिक अवस्था की असुविधा को दूर करना था तथा प्राकृतिक अधिकारों और उनमें सबसे प्रमुख सम्पत्ति के अधिकारों की रक्षा करना था। लॉक के अनुसार प्राकृतिक अवस्था प्राकृतिक विधि से संचालित थी। लाक के अनुसार प्राकृतिक विधि ऐसे शाश्वत नियम हैं जो मनुष्यों को शान्तिपूर्वक रहने की शिक्षा देते हैं। प्राकृतिक विधि से यह भी सीखा जाता है कि दूसरे के जीवन, स्वतन्त्रता और स्वास्थ्य पर हमला न किया जाए, उसने प्राकृतिक विधि को नैतिक विधि की भाँति स्वीकार किया, जिसे उसने ईश्वरीय विधि माना। उसके अनुसार गणित के नियम और प्राकृतिक विधि स्वयंसिद्ध है। लॉक अनुभववाद का भी प्रतिपादक है और अनुभववाद के अनुसार किसी वस्तु का अस्तित्व 5-ज्ञानेन्द्रियों के अनुभववाद के आधार पर ही स्वीकार हो सकता है। तात्विक रूप में अनुभववादी, वास्तविकता सत्ता के

बारे में व्यवस्था कुछ नहीं कहते। परन्तु लॉक ने ईश्वरीय सत्ता को भी स्वीकारा और मनुष्यवाद का अनुयायी भी है। विद्वानों के अनुसार यह लॉक की मान्यताओं में परस्पर अन्तर्विरोध है और मध्यकालीन विधि को स्वीकारते हुए लॉक रिचर्ड हुकर के विचारों से अति प्रभावित है।

'. वेपर ने लॉक के बारे में सही कहा किन्तु एक महान परम्परा का अन्तिम प्रवक्ता और एक महान परम्परा का आरम्भिक प्रवक्ता है। लॉक ने प्राकृतिक विधि को निम्न रूपों में भी वर्णित किया -

(1) प्राकृतिक विधि दैवीय विधि है।

(2) प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति के द्वारा शासित है।

(3) प्रत्येक " का विश्वास प्राकृतिक है।

(4) मनुष्य स्वभाव से साथ-2 रहने के इच्छुक होते

हाब्स की प्राकृतिक विधि लॉक की प्राकृतिक विधि से भिन्न है क्योंकि हॉब्स ने प्राकृतिक विधि को बुद्धि या सुविधा के रूप वर्णित किया ईश्वरीय रूप से बिल्कुल नहीं।

प्राकृतिक अवस्था में प्राकृतिक विधि तथा प्राकृतिक अधिकार प्राप्त थे जो मूलतः जीवन स्वतं और सम्पत्ति के अधिकार थे। लॉक के अनुसार मनुष्य विवेकशील होने के साथ-2 अपने हितों के प्रति सजग होता है। मनुष्यों के प्राकृतिक विधि दे

Scanned with CamScanner

व्याख्या अपने हितों के अनुसार किया, जिससे समाज में असुविधा उत्पन्न हुई परिणामस्वरूप लॉक ने समझौते का विचार प्रस्तुत किया। समझौते में सभी व्यक्तियों ने अपने अधिकारों को समुदाय को सौंपे, यो. समुदाय का आशय बहुमत समान है। यद्यपि लॉक के समझौते में यह स्पष्टता वर्णित नहीं है कि समझौता एक होगा।। या दो। सेबाइन के अनुसार लॉक के विचार में दो समझौते पाए जाते हैं पहले से समुदाय, कामनवेल्थ या नागरिक समुदाय का निर्माण। जबकि दूसरे से सरकार का निर्माण हुआ। वॉहन सेबाइन के मत से सहमत नहीं हैं, उनके अनुसार लॉक के विचारों में दो गतिविधियाँ देखी जाती हैं, पहली गतिविधि समझौता तथा दूसरा - ट्रस्ट है क्योंकि वॉहन के अनुसार समझौता सदैव समान पक्षों में होता है और पहली गतिविधि में सभी ने मिलकर समझौता किया, दूसरी गतिविधि में समुदाय ने अपने कार्यों को सरकार को ट्रस्ट के रूप सौंप दिया, ∴ यह समझौता नहीं है। लॉक के अनुसार सरकार एक ट्रस्ट है जिसका मूलकार्य बहुमत लोगों की इच्छा के अनुसार कार्य करना है। लॉक सम्प्रभु शक्ति के विरुद्ध थे उदारवादी स्वभाव था क्योंकि उनके अनुसार सम्प्रभुता का आशय राज्य की निरंकुश शक्तियों का समर्थन होगा लॉक और सीमित शक्तियों का समर्थन था उसे हॉब्स की निरंकुशवादी शासन का प्रेरक माना जाता है ∴ इसने सम्प्रभुता के बजाय सर्वोच्च शक्ति शब्द का प्रयोग किया। लॉक की

Scanned with CamScanner

विषयों के मध्य विरोधाभासी विद्यमान हैं जो सामाजिक रूप हुए या दो पक्ष उसके विचार में सीमित शासन का आधार रख दिया गया। इसके अनुसार सम्पूर्ण सरकार का कार्य जनता की इच्छानुसार कार्य करना है। लॉक के विचारों में लोकतंत्र का आधार भी अन्तर्निहित है। लॉक उदारवाद के जन्मदाता भी माने जाते हैं क्योंकि लॉक ने सरकार के कार्यों को प्राकृतिक अधिकारों से सीमित किया। सरकार को तीन अंगों में विभाजित किया और शक्तियों के सिद्धान्तों का भी समर्थन किया गया। लॉक ने अहस्तक्षेपवादी राज्य का समर्थन किया, जिसके दो मूल अर्थ हैं -

(1) व्यक्तियों की स्वतन्त्रता

(2) पितृ सत्तात्मक सत्ता का अभाव

लॉक ने सीमित शासन की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए राज्य के कार्यों को नकारात्मक रूप से परिभाषित किया तथा राज्य की भूमिका को रात्रि प्रहरी राज्य या चौकीदार राज्य रूप से माना। अतः लॉक ने उदारवाद और बुद्धिमत्ताशाली राज्य के महत्व का विकल्प पेश किया।

Scanned with CamScanner

लॉक के अनुसार राज्य आवश्यक है क्योंकि विधि और व्यवस्था बनाए रखना है परन्तु राज्य के कार्य सीमित होने चाहिए जिससे प्राकृतिक अधिकार और सम्पत्ति की रक्षा हो सके। अतः स्वतन्त्रता और सत्ता के सम्बन्ध लॉक के विचार में स्वतन्त्रता की ओर झुके हुए हैं। सीमित राज्य की संकल्पना का समर्थन करते हुए लॉक ने क्रान्ति का भी समर्थन किया उन्होंने क्रान्ति के निम्न कारण बताए -

(1) यदि एक राजकुमार/राजा विधि के शासन के बजाय स्वेच्छाचारी इच्छा से शासन करे।

(2) यदि राजा या राजकुमार विधायिका की बैठक या उसके स्वतन्त्र कार्यों में बाधा उत्पन्न करे।

(3) लोगों की सहमति के बिना चुनाव और चुनाव विधियों में स्वेच्छाचारी परिवर्तन किया जाए।

(4) जब राजा किसी विदेशी शक्ति के हाथों जनता को सौंपने का प्रयास करे।

(5) सर्वोच्च कार्यकारी व्यक्ति विधि की अवहेलना करे और उसका क्रियान्वयन न करे।

Scanned with CamScanner